05 नवम्बर 2020

विशेष रिपोर्ट

कॉटन

नवम्बर

Moneywise. Be wise.

पिछले महीने के दौरान, एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों में लगातार तीसरे महीने बढ़ोतरी हुई और कीमतें 18200 रू के स्तर से 20150 रू के स्तर पर पहुंच गई। विश्व बाजार की तुलना में घरेलू बाजार में कपास की कम कीमतों के कारण विभिन्न देशों को निर्यात में बढ़ोतरी होने की उम्मीद से कीमतों को मदद मिली । अक्टूबर में नया सीजन शुरू होने के बाद से कम से कम छह लाख बेल- एक बेल 170 किग्रा का-कपास का निर्यात किया गया है। चीन में भारत सहित कई देशों से विभिन्न वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ी है, और उन्हें गुजरात के बंदरगाहों से निर्यात करना सस्ता है, कभी-कभी देश के भीतर माल ले जाने की तुलना में सस्ता भी है। चीन को कपास का निर्यात करना दक्षिण भारत में कपड़ा मिलों तक पहुँचाने की तुलना में सस्ता है। इसका कारण यह है कि चीन के जो जहाज मशीनरी जैसे खेप से लदे हुए आते हैं, वे खाली लौटने की तुलना में छूट पर शिपमेंट लेना पसंद करते हैं। इसके कारण वैश्विक बाजार में भारतीय कपास की मांग है। पिछले सीजन में 50 लाख बेल के मुकाबले इस सीजन में 60 लाख बेल से अधिक निर्यात पर व्यापारियों की नजर है। चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया और बांग्लादेश भारत से कपास खरीदना चाहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, आईसीई में कॉटन वायदा की कीमतें 64.86 के निचले स्तर से 74.60 सेंट प्रति पाउंड तक पहुंच गई है। तूफान सैली के कारण अमेरिका में फसल नष्ट होने के बाद सेंटीमेंअ को मदद मिली। इसके अलावा, तेजी के अन्य कई कारकों से कॉटन वायदा की कीमतों को मदद मिल रही हैं। अमेरिका और भारत में अनुमान से कम उत्पादन, सटोरियों और इंडेक्स फंड्ों की पहलकदमी से कॉटन में निवेश बढ़ा है।

आईसीई में कॉटन वायदा का चार्ट

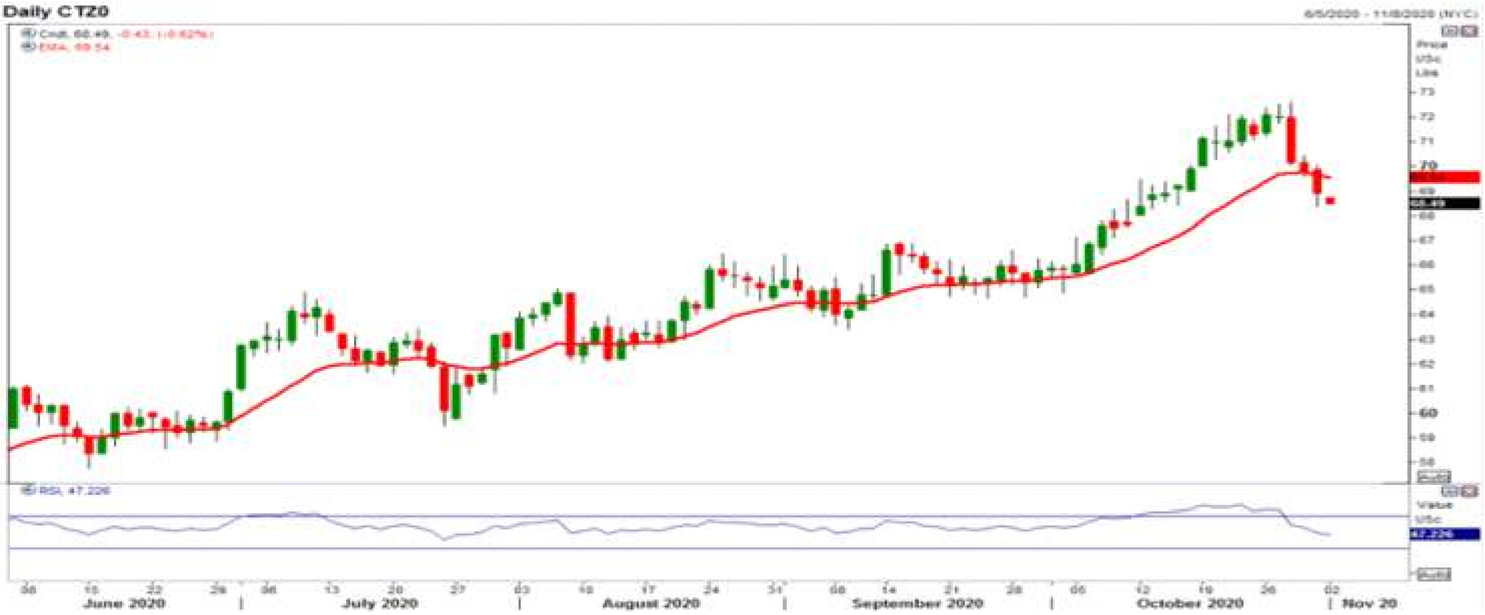

स्रोत: रॉयटर्स

एमसीएक्स में कॉटन वायदा का चार्ट

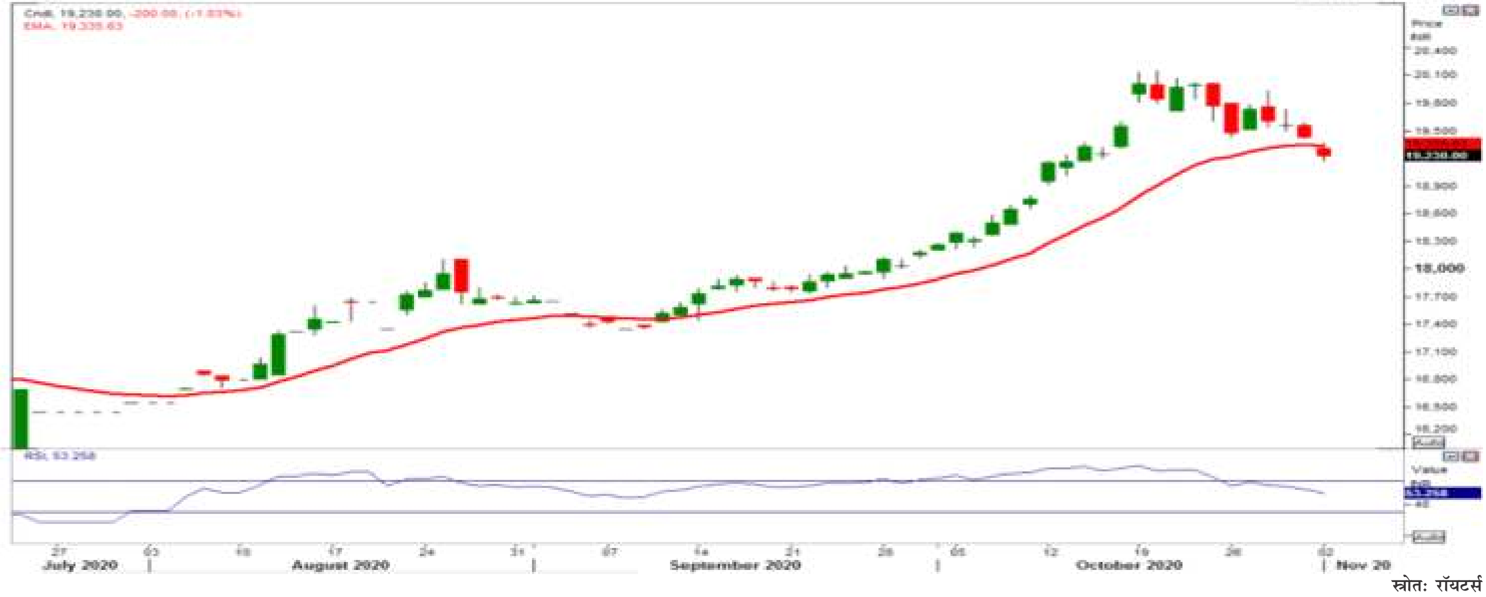

स्रोत: रॉयटर्स

घरेलू फंडामेंटल

- यूएसडीए के अनुसार, बाजार वर्ष 2020/21 में भारत का कपास उत्पादन 13 मिलियन हेक्टेयर के क्षेत्र में 29.4 मिलियन बेल (1 बेल 480 पौंड का) होने का अनुमान है।
- इस सीजन में औसत राष्ट्रीय उत्पादकता लगभग 491 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है, जो पिछले साल की तुलना में दो प्रतिशत अधिक है।
- मध्य और दक्षिणी भारत में भारी बारिश से कपास की गुणवत्ता और समग्र पैदावार के प्रभावित होने की उम्मीद है।
- भारतीय मौसम विभाग द्वारा प्रकाशित वर्षा के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में अधिक बारिश के कारण फसल क्षेत्रों में बाढ/ जल जमाव हुआ है, जो कपास की फसल के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।
- मौसम की मौजूदा स्थिति फूलों की गिरावट, भारी बारिश के कारण विल्ट, और कीट प्रकोप के कारण अनुकूल हैं। कपास में गुलाबी बोलेवॉर्म की घटनाओं की भी खबरें है।
- भारी बारिश और प्रचलित मौसम की स्थिति कपास में चूसने वाले कीटों के लिए अनुकूल है। मिट्टी में अधिक नमी के कारण कपास की जड़ सड़न भी हो सकती है।
- नई फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू हो गई है।
- 22 अक्टूबर तक, उत्तरी राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लंबी स्टेपल किस्म के कपास की नई फसल की आवक 1.5 मिलियन बेल(1 बेल 170 किलोग्राम का) तक पहुंच गई है।
- कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया तीन राज्यों में सक्रिय है और बाजार की मौजूदा दरों की तुलना में 5-6 प्रतिशत अधिक कीमतों पर खरीददारी कर रहा है।
- सीसीआई उत्तर भारतीय राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में कपास बीज की खरीद कर रहा है क्योंकि आवक बढ़ी है।
- वर्तमान में, सीसीआई ने तीनों राज्यों में लगभग 300,000 बेल (1 बेल 170 किलोग्राम का) की खरीददारी की हैं। सीसीआई को अक्टूबर के अंत/नवंबर की शुरुआत में मध्य और दक्षिणी कपास उत्पादक राज्यों में खरीद शुरू होने की उम्मीद है।
- व्यापार रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि एमएसपी कार्यक्रम के तहत, भारत सरकार ने बाजार वर्ष 2020-21 में 12.5 मिलियन बेल कपास की खरीद का लक्ष्य रखा है, जो 2019-20 में की गई खरीद की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है।
- 23 अक्टूबर तक, सीसीआई और राज्य मार्केटिंग महासंघों के पास 4.1 मिलियन बेल कपास बचा हुआ है जो अभी बिका नही है।
- यूएसडीए का अनुमान है कि बाजार वर्ष 2020/21 में कपास की खपत 22.7 मिलियन बेल (480 पौंड का) का अनुमान है।
- अक्टूबर में, सूती धागे की कीमतों में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कपास की कीमतों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- कपास और कपास उत्पादों के निर्यात में तेजी से वृद्धि के कारण कपास की कीमतों में सुधार हुआ है, जिससे कपास का उपयोग बढ़ा है, जिसका अनुमान 22.7 मिलियन बेल (480 पौंड का) है।

अक्टूबर 2020 में कपास की राज्यवार थोक कीमतें (रू/क्विंटल में)

हाजिर बाजार में आवक

Prices in Rs/Quintal

राज्य	अक्टूबर 2020 में	सितम्बर 2020 में	अक्टूबर 2019 में	अगस्त 2020 की तुलना में % बदलाव	सितम्बर 2019 की तुलना में % बदलाव
गुजरात	4731	4434	4749	6.68	-0.39
हरियाणा	5150	5019	5258	2.61	-2.06
कर्नाटक	4830	4999	5440	-3.38	-11.21
मध्यप्रदेश	4804	3545	4629	35.53	3.79
महाराष्ट्र	4493	4402	4629	2.08	-2.94
पंजाब	5447	4858	5014	12.12	8.63
राजस्थान	5284	5250	5285	0.65	-0.02
तमिलनाडु	4628	4538	5124	1.97	-9.68
उत्तर प्रदेश	5144	4754	5155	8.21	-0.20
औसत	**4946**	**4644**	**5032**		

स्रोतः एगमार्क

अंतरराष्ट्रीय फंडामेंटल

- यूएसडीए के अनुसार, नवीनतम अनुमानों से संकेत मिलता है कि 2020/21 में चीन और भारत में अधिक उपयोग करने के कारण वैश्विक स्तर पर मिलों द्वारा 114.2 मिलियन बेल उपयोग होने का अनुमान है जो 2019/20 की तुलना में 12 प्रतिशत से अधिक है।
- 2020/21 में वैश्विक स्तर पर कपास का उत्पादन 116.3 मिलियन बेल होने का अनुमान है जो उत्पादन क्षेत्र में कमी के कारण पिछले 4 वर्षो में सबसे कम है ।
- इस बीच, इस सीजन में वैश्विक कपास व्यापार बढ़ने का अनुमान है। 2020/21 में विश्व स्तर पर कपास का व्यापार 3% की बढ़ोतरी के साथ 42.2 मिलियन बेल होने का अनुमान है।
- 2020/21 में वैश्विक स्तर पर कपास का अंतिम स्टॉक 101.1 मिलियन बेल रहने का अनुमान है जो 2014/15 के बाद दूसरा सबसे अधिक स्टॉक है।
- 2020/21 में अमेरिकी कपास का उत्पादन 17.0 मिलियन बेल होने का अनुमान है जो पिछले महीने के अनुमान से मामूली कम है लेकिन 2019/20 की तुलना में 14 प्रतिशत कम है।
- 2020 में कपास का उत्पादन क्षेत्र 4 साल में सबसे कम होने का अनुमान है, और कुल क्षेत्र 2.3 मिलियन एकड़ है–जो 2019 की तुलना में लगभग 600,000 एकड़ कम है।
- 2019 में अमेरिकी उत्पादकता 823 पाउंड की तुलना में 2020 में रिकॉर्ड 909 पाउंड प्रति एकड़ रहने का अनुमान है।
- 2020/21 में अमेरिका में कपास की मांग 17.1 मिलियन बेल रहने का अनुमान लगाया गया है, लेकिन 2019/20 से 3 प्रतिशत कम है और 5 वर्षो में सबसे कम है।
- 2020/21 में अमेरिका में अंतिम स्टॉक 7.2 मिलियन बेल रहने का अनुमान है, जो पिछले सीजन के 12 साल के उच्च स्तर से थोड़ा कम है।

आउटलुक

कॉटन वायदा (नवंबर) की कीमतों के 18500–20000 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। नसी आवक अक्टूबर के मध्य से शुरू हो गई है, और आपूर्ति अधिक होने के कारण कीमतों के दबाव रहने की उम्मीद है। दूसरी बात यह है कि इन बढ़ी हुई कीमतों पर मांग कम हो गई है। कताई मिलें श्रम की कमी के कारण केवल 60–70 प्रतिशत क्षमता के साथ काम कर रही हैं।

मिलों की ओर से कमजोर मांग के कारण कर्नाटक में कपास की कीमतें कम हैं। महाराष्ट्र में कपास की कीमतें भी मिलों की ओर से कम खरीद के कारण कम हो रही हैं। व्यापारियों के अनुसार, कुछ क्षेत्रों को छोड़कर मौसम की स्थिति काफी हद तक सकारात्मक है। गुजरात के कपास की कीमतें नीचे फिसल रही हैं क्योंकि निजी मिलें हाल के उच्च स्तरों पर कपास खरीदने को इच्छुक नही है।

निर्यात के मोर्चे पर, निर्यातकों को अक्टूबर में माल भाड़ा दरों में तेजी से वृद्धि, विशेष रूप से मध्य पूर्व, यूरोपीय, उत्तर और दक्षिण पूर्वी बंदरगाहों के लिए, जैसे मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है । मुंद्रा और न्हावा शेवा (मुंबई) जैसे प्रमुख बंदरगाहों पर भी कंटेनरों की उपलब्धता काफी कम हो गई है, जबकि अंतर्देशीय कंटेनर डिपो की स्थिति बदतर है।

लेकिन हमें कीमतों में किसी तेज गिरावट की संभावना नहीं दिखाई दे रही है और कीमतें स्थिर दायरें में पर कारोबार करेंगी क्योंकि विदेशी मांग के कारण अधिक शिपमेंट को मदद मिलेगी । भारतीय कपास अभी भी दुनिया में सबसे सस्ता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, आईसीई में कॉटन फ्यूचर्स (दिसम्बर) की कीमतें 65–75 सेंट प्रति पाउंड के दायरे में कारोबार कर सकती है। पिछले कुछ सत्रों में, आईसीई में कॉटन वायदा में नरमी के रूझान के साथ कारोबार कर रहा है, क्योंकि कोरोनोवायरस के मामलों में बढ़ोतरी के कारण मांग को लेकर चिंता बढ़ गई है और अमेरिकी चुनाव की अनिश्चितता ने और दबाव बढ़ा दिया है।

एमसीएक्स में कॉटन वायदा का फॉरवर्ड कर्व

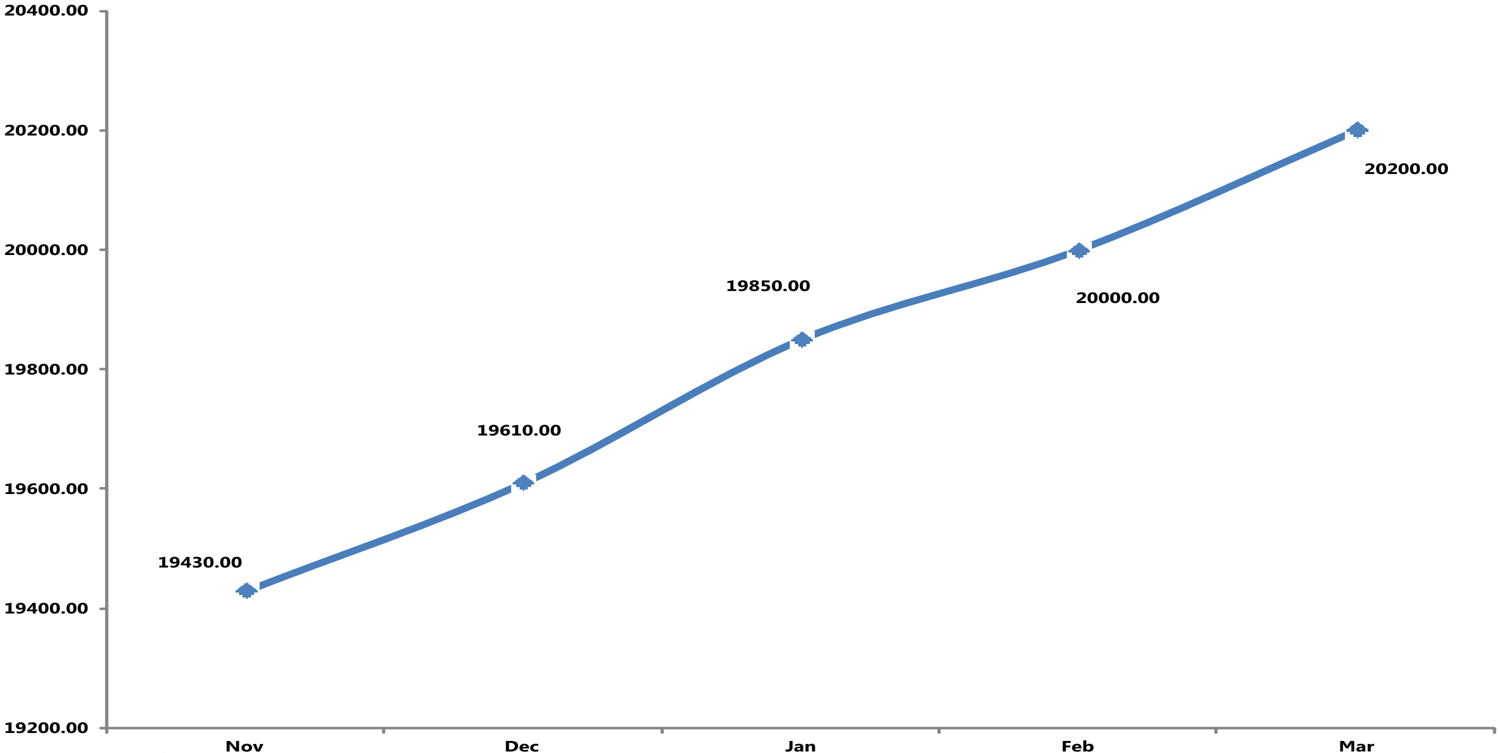

30 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

स्रोत: एमसीएक्स

आईसीई में कॉटन वायदा का फॉरवर्ड कर्व

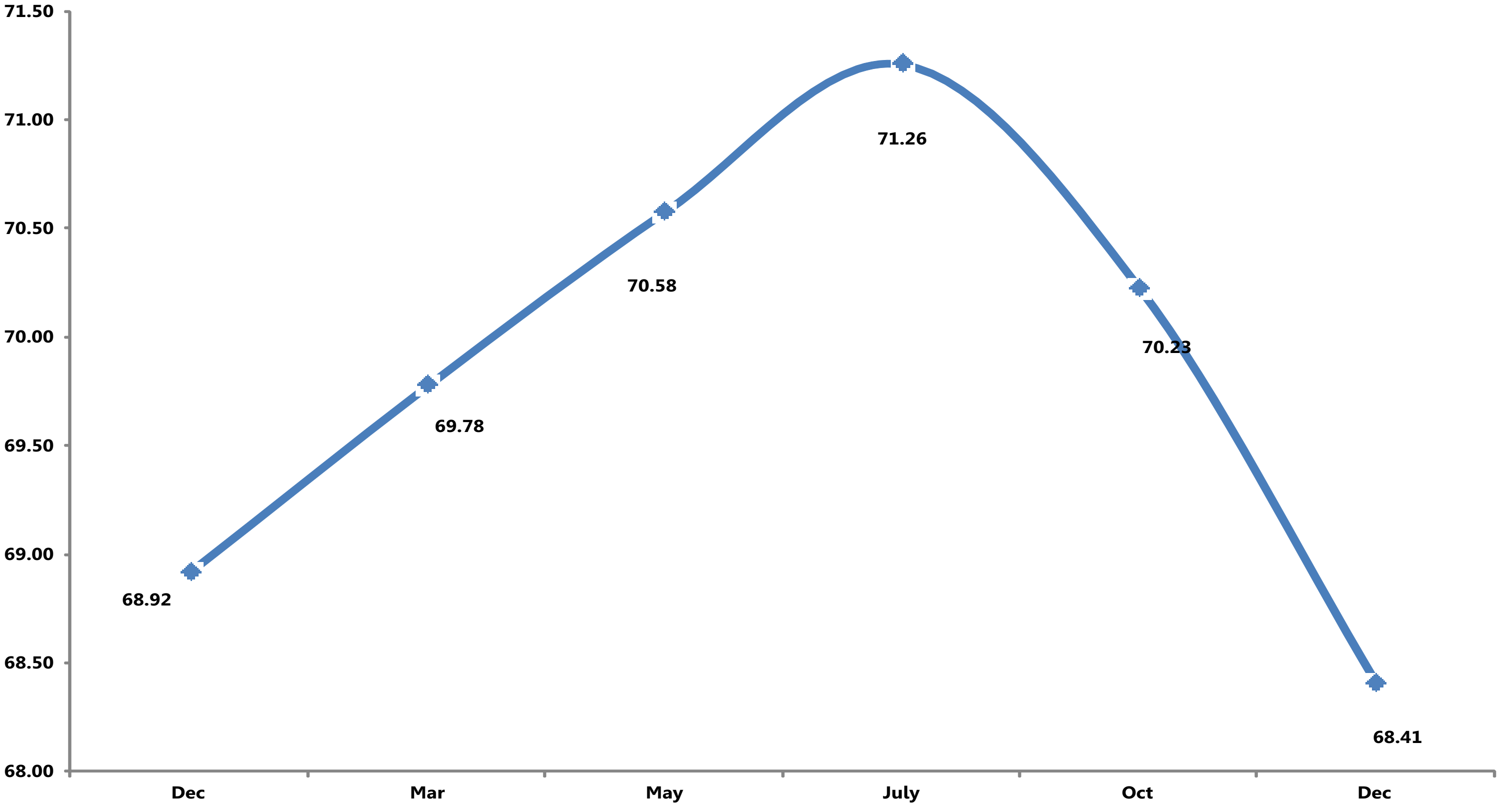

30 अक्टूबर 2020 का बंद भाव

स्रोत: बारचार्ट

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Moneywise. Be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्त्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।